दिनांक: 26 अगस्त 2025

12वाँ दीक्षांत समारोह
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान पटना

मानननीय श्री गिरिराज सिंह, **केंद्रीय कपड़ा मंत्री**, भारत सरकार का उदबोधन..

बहुत-बहुत धन्यवाद।

आज पाटलिपुत्र के आर्यभट्ट की धरती पर आप सभी को ढेर सारी शुभकामनाएँ। सबसे पहले आपके माता-पिता को मैं कोटि सह धन्यवाद देना चाहता हूँ जिन्होंने आपको यहां तक पहुंचाने में अपना आशीर्वाद दिया।

आज दीक्षांत समारोह में उपस्थित मैं तो सचमुच में क्योंकि आईआईटी ने भी कभी सामाजिक जीवन में जीने वाले प्रतिनिधियों के साथ इंटरेक्शन करने का मौका नहीं दिया होगा। क्या प्रॉब्लम है समाज का आईआईटी को यह भी देखना चाहिए। मैं इसके लिए धन्यवाद देता हूँ माननीय धर्मेंद्र प्रधान जी को। यह हमारे नेता हैं। यह बात अलग है कि मैं इस हॉल में सबसे नौजवान व्यक्ति हूँ। नौजवान जब मैं कह रहा हूँ 73 ईयर ओल्ड न्यू बेबी बोर्न हूँ।

आखिर जवानी दो तरह की होती है। एक फिजिकल एक बायोलॉजिकल।

आज भी हम नरेंद्र मोदी जी के कैबिनेट के मंत्री परिषद के सदस्य हैं। यह अलग बात है कि माननीय धर्मेंद्र प्रधान जी के साथ हम काम नहीं कर पाते हैं, वह 24 घंटा में साढ़े 20 घंटा काम करते हैं। रात को जब मैं पूर्णिया से चलकर के 11:30 सवा 11 में इनके यहां पहुंचा, मैं 12:00 बजे चल दिया कि भैया मेरा सोने का समय हो गया मैं जा रहा हूँ और ये 2:00 बजे रात तक जगे रहे, मालूम हुआ सवेरे 6:00 बजे बिहार के अटल पथ पे गंगा के किनारे रोमांचक मॉर्निंग वॉक किया।

मैं आज इस मौके पर धर्मेंद्र जी को धन्यवाद है कि उनके कारण मुझे इस कैंपस में आने का मौका मिला। वैसे मैं दिल्ली आईआईटी से 10 वर्षों से जुड़ा हूँ जब से मैं भारत सरकार में काम कर रहा हूँ।

माननीय धर्मेंद्र प्रधान जी, माननीय नित्यानंद राय जी, मान्यवर शंकरानंद जी, मान्यवर टी. एन. सिंह जी, हमारे सांसद, मैं जब कह रहा हूँ तो टेक्निकल नहीं हमारे पार्टी के सांसद राम कृपाल यादव जी, भले हमारे मोहन जी,

संजीव चौरसिया जी, संजय मयूख जी, हमारे जिन्हें मैं प्यार से नेता जी कहता और सामने बैठे हमारे सभी नेतागण।

आज मैं यह धरती जहां मैं खड़ा हूँ, गंगा शरण जी की यह धरती है। मैं इसको भी धन्यवाद करता हूँ।

मित्रों, आज केवल कॉन्वोकेशन दीक्षांत नहीं राष्ट्र निर्माण की एक नई पारी का शुभारंभ आप कर रहे हैं। केवल आप की मेहनत जिस अमृत भारत की कल्पना है उसमें आपका सबसे बड़ा योगदान होगा।

आईआईटी वह मंच है जहां देश के विकास के साथ-साथ पूरी दुनिया के विकास में भारत के आईटीयन का योगदान रहता है, चाहे सिलिकॉन वैली हो, चाहे दुनिया के हार्वर्ड यूनिवर्सिटी हो। मैं यह मानता हूँ भारत में जब भी ज्ञान की चर्चा होती है तो नालंदा विश्वविद्यालय से लेकर के आईआईटी तक की चर्चा जरूर होती है और यह केवल एक नॉलेज और इनोवेशन नहीं है।

अब मैं आपसे निवेदन करूंगा समय आ गया है, आज जीवन के हर सेक्टर में एआई की भूमिका हो गई है। डिजिटल का जमाना हो गया है। भारत दुनिया के डिजिटल ट्रांजैक्शन में एक नंबर आया है जिसे दुनिया ने भी स्वीकारने का काम किया है। आप केवल यहां से पास आउट नहीं करेंगे बल्कि एक ब्रांड एंबेसडर बनेंगे जहां भी जाएंगे। मैं एक ही निवेदन करूंगा आप जब यहां से जाते हो तो पहले ट्राई करते हो जरा आईएस में एक बार दे दें। मैं प्रार्थना करूंगा आप एक आईएस क्या 1000 आईएस पैदा करने की क्षमता है अगर आप टेक्नोलॉजी के जमाने में आप रहते हो तो।

आपको लगता है आईएस देश चलाता है लेकिन आप याद करें नरेंद्र मोदी के आने के बाद, नरेंद्र मोदी पहले यहां कभी स्टार्टअप की चर्चा नहीं होती थी। आज के दिन डेढ़ लाख से ऊपर स्टार्टअप हो गए और उन्होंने कहा यह वर्ष डिजाइन का वर्ष होगा, डिजाइन का। अब यह डिजाइन सेमीकंडक्टर में भी डिजाइन का होगा, बिल्डिंग में भी डिजाइन होगा, मशीन में भी डिजाइन होगा। यह डिजाइन का वर्ष है।

मैं आपसे निवेदन करता हूँ कि आज आपके कारण मैं एक और आग्रह करूंगा। आप बिहार के सबसे बहुमूल्य संस्थान हैं। मैं माननीय धर्मेंद्र जी से निवेदन करूंगा, मैं डायरेक्टर से निवेदन करूंगा कि आप बिहार में पॉलिटेक्निक जो हमारे कॉलेज हैं उसको ऑप्ट करें, रेडी टू जॉब में जाए, सेमीकंडक्टर की दुनिया में जाए, डिजाइनिंग की दुनिया में जाए।

यह मेरा आग्रह होगा जो आप ज्ञान देकर के एक ऑप्ट करें और उनके साथ आप कोलेबोरेट करें और यह एक देश में शायद होगा मैं नहीं जानता, हो सकता है, होगा, लेकिन मैं जिस विभाग से जुड़ा हूँ उस विभाग में एनआईएफटी है। वहां भी टेक्नोलॉजी है।

मैं आगे अपने डायरेक्टर से कहूंगा पटना के कि यहां आके डायरेक्टर से मिले लेकिन आज बदलते हुए जिओपॉलिटिक्स सिनेरियो बदल चुका है और उसमें अगर आत्मनिर्भर भारत की एक नई गाथा लिखी जाएगी तो उसमें आपकी प्रमुख भूमिका होने वाली है, आपकी प्रमुख भूमिका होने वाली है।
आपकी जिम्मेदारी है कि आप आने वाले दिन में सशक्त भारत मैं ज्यादा नहीं बोलता अगर भारत के जो हमारे विदेश में खास करके एक नकली ढोन पूरे दुनिया में चिल्ला रहा है। अगर भारत के बच्चे वहां से निकल जाए तो उसकी सारी वैल्यू खत्म हो जाए, सारी वैल्यू खत्म हो जाए। मैं आपके सामने दो चार बातें प्रॉब्लम कहके अपनी बात को समाप्त करूंगा। आज दुनिया श्रिंक कर रहा है। भारत की आबादी सबसे अधिक है और हमारे पास प्रति कैप्टा जमीन 0.12 हेक्टेयर 2011 के आधार पर आ रहा है।

आज जो भी वर्टिकल ही काम होगा जो सिविल के सेक्टर में, स्ट्रक्चर के सेक्टर में है, मेरा निवेदन होगा लाइट वेट का कौन सा मटेरियल आएगा जो नॉन मैटेलिक हो। आज कार्बन फाइबर दुनिया के हर सेक्टर में लग रहा है लेकिन मैं उस विभाग को देख रहा हूँ। कार्बन फाइबर से मजबूत कोई पिलर नहीं हो सकता लेकिन कॉस्ट इफेक्टिव भी करना है लेकिन आज हम इसमें काम कर रहे हैं। उम्मीद करता हूँ कि 26 में लाएंगे लेकिन आईआईटी का भी यह शोध का विषय होना चाहिए क्योंकि आज स्पेस की दुनिया से लेकर के एविएशन की दुनिया से लेकर के जो भी दुनिया है, ड्रोन की दुनिया आज लड़ाई अब थल सेना से हटकर के ड्रोन की दुनिया से आ गया है। ड्रोन में भी कार्बन फाइबर की जरूरत होती है तो मेरा आग्रह होगा कार्बन फाइबर पर, ग्लास फाइबर पर क्या ग्लास फाइबर हमारे अल्टरनेटिव बन सकता है?

मैं एक प्रॉब्लम यह आपके सामने छोड़ के जा रहा हूँ।
क्या देश के अंदर आने वाले दिन में किसानों की जिंदगी में परिवर्तन करने के लिए क्लाइमेट के साथ जुड़कर के हम कोई एक ऐसा रास्ता निकाल सकते हैं? जिस बिहार में यह आईआईटी है, इस बिहार का आधा भाग 22 जिले बाढ़ से ग्रसित है। इस पानी का टेक्निकल वर्ड तो नहीं मैं कह सकता हूँ, इस पानी को परमाणु में बदल सकते हैं क्या? यह भी आपके ऊपर एक बहुत परमाणु का जब मैं नाम लेता हूँ तो पानी आने वाले दिन में क्योंकि प्रति कैप्टा पानी गिर रहा है।

हम इनोवेशन की दुनिया में हैं लेकिन आज पर्यावरण हमारे लिए बहुत बड़ी चुनौती हो गई है। यूनाइटेड नेशन ने जिस तरह से अर्थ ओवरसूट डे मनाते हैं। 1971 में इसने शुरू किया लेकिन आज हमारा पर्यावरण असंतुलित हो गया है। असंतुलित इसलिए कह रहा हूँ कि जो हम दिसंबर में शुरू किए थे कि हमारा मैचिंग है जनवरी टू दिसंबर। बैंक में जैसे आपके क्रेडिट होते हैं, हमारे क्रेडिट जनवरी टू दिसंबर था। आज जुलाई आ गया है। यह भी हमें इनोवेशन में ध्यान देना होगा।

मैं एग्रीकल्चर की बात कहा। फर्टिलाइजर को कैसे कम किया जा सकता है। ग्रीन फर्टिलाइजर के रूप में शायद आपका एग्रीकल्चर रूलर इनोवेशन यहां नहीं होगा।

दिल्ली आईआईटी में हमारी चर्चाएं होते रहती है। मैं दो-तीन चीजें और कह करके अपनी बात को खत्म करूंगा कि आज जरूरत है- भारत के अंदर बढ़ती हुई आबादी। यह मेरा आने वाले दिन में जो नित्यानंद जी कह रहे थे कि अमृत भारत में केवल 5 ट्रिलियन तो अभी है दुनिया की इकोनॉमी हम सबसे नंबर एक बनने के कगार पर हो सकते हैं।

यह कोई मुश्किल नहीं है क्योंकि जहां जवानी है वहीं जमाना है। जवानी हमारे पास है। आज पूरी दुनिया बूढ़ा हो चला है। मै अगर आपको कहूं कि पूरा जर्मनी, जापान, इंग्लैंड, अमेरिका इसकी एवरेज आयु मोर देन 50 हो गया है। चाइना मोर देन 40 हो गया है। भारत है 28 टू 30 अगर इस जवानी को जवानों के साथ जमाना के साथ अगर टेक्नोलॉजी से हमने जोड़ दिया और टेक्नोलॉजी से जोड़ने का काम आप करेंगे। जब टेक्नोलॉजी से जोड़ देंगे तो दुनिया की कोई ताकत नहीं कि इसे भारत की इकॉनमी को एक बना सके।

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब कहा था वन सन और वन ग्रीड उस समय लोगों ने प्रधानमंत्री का भी पर्यावरण पर लोगों ने साथ नहीं दिया। आज दुनिया में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केवल आतंकवाद के लीडर नहीं है, कल्चरल लीडर भी हैं। उन्होंने योग को पूरी दुनिया में स्थापित किया। आज वन सन वन ग्रीड को भी स्थापित करने का काम वो कर रहे हैं।

मेरा आग्रह होगा आपसे कि आप इस पर भी काम करें और ऐसा काम करें कि हमारे पॉलिटेक्निक के बच्चे हमारे आईआईटी के बच्चे हर घर में हर दफ्तर में इलेक्ट्रिकल सेंसर का प्रयोग करें। अगर एक व्यक्ति एक वाट केवल एक यूनिट बिजली बचाता है तो कम से कम छ से सात किलोग्राम कार्बन को रिड्यूस करता है। केवल यह दायित्व पर्यावरण विदों का नहीं है, इधर बैठे सारे लोगों का दायित्व है लेकिन यह अवेयरनेस सेंसर अगर हर घर में लो कॉस्ट सेंसर लग जाए नहीं तो आज घर ऑफिसों की आदत हो गई है। बिजली जल रहा है, जलने दो। मेरे पिता जी का क्या जाता है तो मेरा निवेदन होगा। मैं बोलने लगूंगा। मुझे कहा गया। मैंने कहा मुझे छोड़ दो।

धर्मेंद्र जी मेरे नेता हैं। मेरा सौभाग्य है कि मैं धर्मेंद्र जी के सम्मान में यहां तक आने का मौका मिला लेकिन आपके ऊपर जिम्मेदारी है। आप से मैंने एक प्रार्थना किया है कि आप कोशिश करें कि आईएएस बनने की होड़ में नहीं जाएं। उतने दिनों में आप कुछ स्टार्टअप करके पूरी दुनिया को दे दें।ठीक ही कहा शंकरानंद जी ने कि आप नौकरी देने वाले बने, नौकरी लेने वाले नहीं बने। मैं यह निवेदन करूंगा बहुत लोगों का चेहरा सूख गया

होगा कि मेरा पैकेज तो बहुत हो गया, ये पागल आदमी मुझे कह रहा है नौकरी छोड़ने के लिए तो कौन-कौन लोग हैं जिनके मन में हो रहा है कि जॉब गिवर नहीं जॉब देने वाला बनूंगा।

जरा वो हाथ उठाएं तो। जॉब देने वाला, जॉब देने वाला, जॉब देने वाला। आईएस कौन-कौन बनना चाहते हैं? जरा हाथ उठाना। जो लड़के होंगे उनको विवाह में तिलक ज्यादा मिल जाएगा। आईआईटी से ज्यादा माता-पिता ज्यादा खुश होंगे। बेटा आईआईटी कर लिए हो, जरा एक दो बार बैठ जाओ ना। माता-पिता जी को कहना कि मैं देश के लिए आईआईटी किया हूँ, देश में स्टार्टअप करूंगा। ऐसा स्टार्टअप करूंगा कि आज जो 150 ऐसे यूनिकॉर्न स्टार्टअप हो गए हैं, आपके जाने के बाद 200-500 यूनिकॉर्न हो जाए।

हमारी आपके साथ शुभकामना है।

बहुत-बहुत धन्यवाद।

*****